५०२/१९५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१२)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग परिचय - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''दास हो तो वस्त्र-आभूषण आदि उतार साधु हो जाओ ।'' (६०)

२. ''समलोष्ठाश्मकाञ्चनः उनके लिए लकड़ी, सोना, पत्थर सब समान हैं ।'' (१०२)

३. ''यदि खाद्य सामग्री यथेष्ठ नहीं है, तो लक्ष्मीजी की निन्दा होगी ।'' (४६)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. भगवत्स्वरूप संत के आचरण का अनुकरण करना भी धर्म है । (९४)

२. राजाने अरदेशर को बुलाया और मानपूर्वक सूबेदारी सौंपी । (११)

३. श्रीजीमहाराज ने सबसे पहले अहमदाबाद में मन्दिर का निर्माण कराया । (२३)

प्र.३ 'मित्रभाव' (१५) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. गुंदाली गाँव में किस ने साधुओं को सीधा दिया ? (७५-७६)

२. वासना कब मिटती नहीं ? (८५)

३. गलुजी कौन-से गाँव के और कौन-सी जाति के थे ? (८)

४. आकाशवाणी सुनकर शिवराम ने क्या कहा ? (२१)

५. राजबाई ने कौन-सा निश्चय कर लिया था ? (५७)

प्र.५ 'अपने अन्दर खोज कर देखो.....' (८७-८८) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. निजतत्त्व ..... भजे सदा ॥ (३४)

२. षडक्षरो छे ..... अंतर शुद्ध थाय । (१५)

३. मनुष्यलीला रे ..... सहित जे भक्ति । (६४)

४. क्रोधात् भवति ..... नाशात्प्रणश्यति ॥ (९८) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''बिना पलक झपके (त्राटक करते हुए) खुले नेत्रों से भगवान का स्मरण करो ।'' (५१)

२. ''यह ज्ञान मुझे दे सकते हैं ?'' (७)

३. ''ऐसा कुर्ता भी सी सकता हूँ, जो तुम्हारे अन्तर को ढंक ले ।'' (३५)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. श्रीजीमहाराज प्रागजी भक्त के वश में हुए । (२२)

२. विठ्ठलभाई ने हनुमानजी पर तेल चढ़ाया पर उनकी पुत्रवधू ठीक न हुई । (६४)

३. स्वामी की आज्ञा होते ही प्रागजी भक्त गिरनार को बुलाने दौड़े । (१३)

प्र.९ 'सद्गुरु गोपालानंद स्वामी का संग ।' (३-५) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. आचार्य भगवत्प्रसादजी स्वामी और कितने संतों ने क्या करने का निश्चय किया ? (२९)

२. गुणातीतानन्द स्वामी हरिभक्तों को क्या कह कर कहाँ भेज देते थे ? (२३)

३. चूना तैयार कर रहे प्रागजी भक्त को लोग क्या चेतावनी देते थे ? (११)

४. भगतजी की अन्तिम सेवा में मुम्बई से कोन दौड़ पडे ? (६१)

५. भगतजी महाराज अहमदाबाद पधारे तब मन्दिर के आचार्य पद पर कौन थे ? (४८)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. भगतजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी का महिमा किस किस को कहा ? (२५-२७)

(१) ☐ त्रिकमदास (२) ☐ शुकानंद स्वामी

(३) ☐ वाघाखाचर (४) ☐ कमा सेठ

२. भगतजी महाराज ने वांसदा के दीवान को दिया हुआ उपदेश (४६-४७)

(१) ☐ मुमुक्षु को हिरण की तरह भय से सावधान रहकर कौए की तरह सोना चाहिए ।

(२) ☐ भजनानंदी बनने का पाठ पढ़ाया ।

(३) ☐ ब्रह्मचर्यव्रत से ही भगवान वश होते हैं ।

(४) ☐ एक बार भोजन करना, अखंड भजन करना चाहिए ।

३. कौन से संत साहस बटोरकर और निर्भय होकर भगतजी महाराज का समागम करते थे ? (३८)

(१) ☐ महापुरुषदासजी (२) ☐ विज्ञानानंद स्वामी

(३) ☐ यज्ञपुरुषदासजी (४) ☐ बालमुकुन्ददासजी

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : **जूनागढ में अपूर्व सम्मान :** जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : **जूनागढ में अपूर्व सम्मान :** जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **जूनागढ़ में गुणातीतानंद स्वामी का संग :** वन का यह छोटा सा लोमड़ी कहाँ से आया ? जूनागढ़ मंदिर में आये हुए प्रागजी भक्त को देखते सिद्धानंद स्वामी अचानक बोल उठे । (६)

२. **अड़सठ तीर्थ सद्गुरु चरणों में :** तुम्हारे पास तो पहले से ही बाईस घंटे की सेवा है तो तुम दूसरों के हिस्से की सेवा करने के लिए समय कैसे निकालोंगे ? (१५)

३. **गूदड़ी में लाल :** दीवाली के समैया (उत्सव) पर गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को प्रसादी के दलिया दिये । (१९)

४. **सत्संग में कुसंग :** नित्यानंद स्वामी जागा भक्त को विमुख करने पर अड़े हुए थे । (२९)

५. **मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है :** महाराज की कृपा से मैं स्वामी की मूर्ति का अखंड सुख का अनुभव करता हूँ । जो तुम्हारा संग करते हैं, उन्हें यह अविनाशी सुख प्रदान करता हूँ । (३९)

६. **जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान :** संवत् १९५३ में जूनागढ़ में जलझीलणी के अवसर पर यज्ञपुरुषदासजी ने गोरधनदास कोठारी से आग्रह कर भगतजी को निमंत्रित करने का आज्ञापत्र लिखवाया । (५७)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २०१२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/